News Clips:-

अपने भीतर छिपी प्रतिभा को पहचान कर आगे बढ़ें

चंबा आईटीआई में आयोजित अपराजिता 100 मिलियन स्माइल्स कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष ने प्रशिक्षुओं को किया जागरूक

संवाद न्यूज एजेंसी

चंबा। युवतियां अपने भीतर छिपी प्रतिभा को पहचान कर आगे बढ़ें। यह बात जिला परिषद अध्यक्ष नीलम कुमारी ने अमर उजाला फाउंडेशन के तत्वावधान में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चंबा में आयोजित अपराजिता 100 मिलियन स्माइल्स कार्यक्रम में कही।

नारी का सम्मान करो, मत उसका अपमान करो, नारी है अपराजिता कविता के जरिये महिलाओं के प्रति अपना दृष्टिकोण बदल कर उन्हें सम्मान देने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल सही दिशा में किया जाए तो आप निरंतर आगे बढ़ने में इसे अपना हथियार बना सकते हैं लेकिन इसका अत्यधिक उपयोग हानिकारक है। उन्होंने महिलाओं को प्रेरित करते हुए गीत प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी।

उन्होंने युवतियों के साथ प्रेरक कहानी, कविता और जीवन के अनुभव साझा किए। आईटीआई चंबा के प्रधानाचार्य विपिन शर्मा ने कहा कि समाज में महिलाओं का सहयोग अथाह है। महिलाओं के साथ चाहे-अनचाहे में होने वाले भेदभाव को शिक्षा और जागरुकता से दूर किया जा सकता है। जो युवतियां और महिलाएं आज आईटीआई के विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण हासिल कर रही हैं यहां से पास आउट होने पर वे अपना कारोबार शुरू कर सकती हैं। इससे वे अपनी आर्थिकी को सुदृढ़ कर परिवार का पालन-पोषण कर सकती हैं।

कार्यक्रम में बतौर विशेष अतिथि पहुंचे चाइल्ड लाइन जिला समन्वयक कपिल शर्मा ने युवतियों को टोल फ्री नंबर 1098 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ सहित अन्य प्रकार की घटनाएं सामने आने पर तुरंत चाइल्ड लाइन पर सूचित करने की बात कही। कहा कि सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाता है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चंबा में आयोजित अपराजिता कार्यक्रम में मौजूद महिला प्रशिक्षु। -संवाद

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चंबा में आयोजित अपराजिता कार्यक्रम में मंच पर मौजूद गण्यमान्य। -संवाद

कार्यक्रम में जिप अध्यक्ष ने जीवन में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयास करने और आगे बढ़ने की सीख दी। – **काजल कुमारी।**

कार्यक्रम में सोशल मीडिया में प्रेरणादायक जीवनियां, विचार पढ़ने और सदा प्रसन्न रहने का गुरुमंत्र मिला। सोशल मीडिया का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा ज्ञान अर्जित करने के लिए करेंगे। – **कृष्णा कुमारी।**

अमर उजाला के कार्यक्रम में कई चीजें जानने और सीखने को मिलीं। इससे पहले कई महत्वपूर्ण जानकारियों का ज्ञान नहीं था। संस्थान में इस प्रकार के आयोजन अवश्य होने चाहिए। –**दीपा कुमारी।**

चाइल्ड लाइन के जिला समन्वयक ने महिलाओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बारे में पहले अनभिज्ञ थे। कार्यक्रम में काफी कुछ सीखने को मिला।– **प्रियंका कुमारी।**

---

2 दैनिक जागरण धर्मशाला, 28 जून, 2022

हिमाचल जागरण

जितना चाहिए, उतना ही आएगा नल से पानी

नीरज दुहोन • नगरोटा बगवां

राजकीय राजीव गांधी इंजीनियरिंग कालेज नगरोटा बगवां के दो प्रशिक्षुओं ने नई नल प्रणाली का आविष्कार किया है, जिससे पानी को व्यर्थ बहने से रोका जा सकेगा। यह प्रणाली जल संरक्षण की दिशा में सहायक सिद्ध होगी। संस्थान के इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्युनिकेशन विभाग के अंतिम सत्र के प्रशिक्षुओं अभिनव धीमान व हिमांशु राणा ने मोहाली स्थित वकील श्वेता तलवार के माध्यम से इसका पेटेंट पंजीकृत करवाया है। नई नल प्रणाली की विशेषता यह है कि जितने पानी की आवश्यकता होगी, उस हिसाब से उपकरण के माध्यम से सेट किया जा सकेगा।

नगरोटा बगवां के हटवास निवासी अभिनव धीमान एवं बालुग्लोआ निवासी हिमांशु राणा बताते हैं कि जब भी वह पानी को व्यर्थ होते देखते थे तो मन में पीड़ा होती थी। शोध पानी की बर्बादी की समस्या को हल करने पर केंद्रित है। दुनिया का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से ढका हुआ है, इसका केवल ढाई प्रतिशत हिस्सा ही पीने योग्य है। पारंपरिक नलों से अतिप्रवाह के कारण दुनियाभर के उद्योगों और घरों में कई गैलन पानी बर्बाद हो रहा है।

सराहनीय : नगरोटा बगवां इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक पीपी शर्मा (दाएं से पहले) के साथ अभिनव धीमान, हिमांशु राणा एवं प्रो. संजीव • जागरण

- नगरोटा बगवां इंजीनियरिंग कालेज के प्रशिक्षुओं ने विकसित की प्रणाली
- पानी की बर्बादी रोकने के लिए सहायक सिद्ध होगी
- दोनों प्रशिक्षुओं ने आविष्कार का करवाया पेटेंट

बर्तन भरने पर बंद हो जाएगा नल

नल के नीचे रखे बर्तन के भर जाने के बाद अपने आप ही पानी बंद हो जाएगा। टाइमर को निर्धारित किया जा सकेगा तथा जरूरत के हिसाब से ही नल से पानी का प्रवाह होगा। इस पैटर्न को लेकर दोनों प्रशिक्षु खुद उद्योग लगाने में सक्षम नहीं है इसलिए उद्योगपतियों से बातचीत कर इसे बेचने का मन बनाया है।

इनसे मिला मार्गदर्शन

सहायक प्रोफेसर संजीव कुमार के मार्गदर्शन में शोध किया है। विभाग के प्राध्यापक विवेक मनकोटिया, मनीष भारद्वाज, आशीष शर्मा, अक्षय कंवर व संजीव नरवाल ने भी मुख्य भूमिका निभाई है।

अभिनव धीमान तथा हिमांशु राणा ने यह कर दिखाया है, जो आज के समय की जरूरत है। आविष्कार समाज हित में साबित होगा। –**संजीव कुमार,** सहायक प्रोफेसर।

अभिनव धीमान एवं हिमांशु राणा ने महाविद्यालय व माता-पिता का नाम रौशन किया है। कालेज में विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं में बढ़ोतरी की जाएगी। –**प्रो. पीपी शर्मा,** निदेशक राजकीय इंजीनियरिंग कालेज नगरोटा बगवां।

अब एटीएम में लेन-देन औ

जागरण संवाददाता, हमीरपुर : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) हमीरपुर की इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने एक ऐसा उपकरण व कोड तैयार किया है, जिससे कोई भी उपभोक्ता के एटीएम कार्ड की आइडी लीक नहीं कर सकेगा। एक वर्ष तक टीम ने लगातार शोध किया है।

डा. राम निवास • जागरण

आइआइटी जोधपुर (राजस्थान) से पीएचडी कर एनआइटी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर डा. राम निवास महिया बताते हैं कि वर्ष 2021 में इसे आइपी आस्ट्रेलिया (आस्ट्रेलियाई सरकार) द्वारा एटीएम में सुरक्षित लेन-देन करने के लिए एक प्रणाली

- एनआइटी में तैयार उपकरण लीक नहीं होगी उपभोक्ता के एटीएम कार्ड की आइडी
- डा. राम निवास महिया ने टीम के साथ मिलकर किया शोध

एनआइटी हमीरपुर • जागरण

और एक विधि के लिए पेटेंट किया। पेटेंट प्राप्त होने के बाद टीम सदस्यों पवन सिंह, सिंघल, बसीम खान, एस रा एल देवी, एस कंचना और प्रकाश महेला के साथ इस

प्रतिभा बोलीं, केजरीवाल दिल्ली संभालें, यहां की चिंता छोड़ें

जागरण टीम, पंडोह/कुल्लू : कांग्रेस

पेपर लीक मामले में क्यों नहीं हो रही सीबीआइ जांच : मुकेश

जागरण संवाददाता, ऊना : नेता

कांग्रेस इंतजार करती रहेगी

स्वच्छता को मिला

अब पानी को बरबाद होने से रोकेगा माइक्रो कंट्रोलर

नगरोटा के इंजीनियरिंग कॉलेज में पानी बचाने के लिए बनाया गया यंत्र। संवाद

अनिल भंडारी

नगरोटा बगवां (कांगड़ा)। अगर आप गलती से भी नल खुला छोड़कर चले जाएंगे तो इस बात की चिंता नहीं होगी कि पानी व्यर्थ बह जाएगा। बाल्टी भरने के बाद नल अपने आप बंद हो जाएगा।

राजीव गांधी राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय (आरजीजीईसी) नगरोटा बगवां के दो छात्रों अभिनव धीमान और हिमांशु राणा ने ऐसा माइक्रो कंट्रोलर ईजाद किया है। यह चार प्रकार से काम करेगा। इन छात्रों ने इस उपकरण का पेटेंट भी अपने नाम करवा लिया है।

माइक्रो कंट्रोलर में चार मोड रखे गए हैं। सामान्य मोड में नल से पानी आम नलों की तरह ही आएगा। टाइमिंग सेट करने के बाद दूसरे मोड में नल के नीचे रखी गई पानी की बाल्टी भरने के बाद ओवरफ्लो नहीं होगी। तीसरे मोड में नल से सुविधा के अनुसार पानी लिया जा सकेगा।

टाइमिंग सेट करने के बाद बाल्टी भरने के बाद अपने आप ही बंद हो जाएगा नल

चौथा मोड पानी की टाइमिंग से संबंधित है। इसे ऑन करने पर आप टाइमिंग के हिसाब से नल को ऑन और ऑफ कर सकते हैं। दोनों छात्रों ने कहा कि यह तकनीक को तैयार करने में सहायक प्रोफेसर (ईसीई) संजीव कुमार और आरजीजीईसी के मार्गदर्शन में काम किया।

विभाग के प्राध्यापक विवेक मनकोटिया, मनीष भारद्वाज, आशीष शर्मा, अक्षय कंवर और संजीव नरयाल ने भी सहयोग किया है। महाविद्यालय के निदेशक प्रो. पीपी शर्मा ने बताया कि आज के परिदृश्य में पानी की कमी आने वाली चुनौतियों में से एक है। छात्रों का यह पेटेंट रोजमर्रा के जीवन में पानी का संरक्षण कर और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जा सकने वाले प्रस्तावित नल प्रणालियों से पानी की बर्बादी की समस्या को हल करने पर केंद्रित है। संवाद

पंजाब केसरी
TUE,28 JUNE 2022
EDITION: SHIMLA KESARI, PAGE NO. 3

विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन के नुकसान बताए

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान रोहड़ू में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया

रोहड़ू, 27 जून (स.ह.): राजकीय बहुतकनीकी संस्थान रोहड़ू में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया गया। नशीली चीजों और पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे के दुष्प्रभाव से बचाना है। इस कार्यक्रम में प्रवक्ता के रूप में अधिवक्ता सिविल कोर्ट रोहड़ू अमनदीप नेगी उपस्थित रहे। उन्होंने नशीली वस्तुओं के दुरुपयोग और इनकी अवैध तस्करी के बारे में विस्तार से जानकारी दी और एन.डी.पी.एस. एक्ट के बारे में विद्यार्थियों को बताया गया कि किस तरह से आज के परिवेश में नशे से बच सकते हैं।

उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय ड्रग विरोधी दिवस दुनिया भर में नशे की लत को छुड़ाने के लिए मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य देश से नशे को खत्म करना है तथा इस दिन लोगों को नशा छोड़ने के लिए जागरूक किया जाता है। इसके लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

कार्यक्रम के समन्वयक मनोज शुक्ला ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और इससे किस तरह बचाव किया जा सकता है, कैसे नशे से दूर रहना है और मादक पदार्थों के सेवन के नुकसान के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्रधानाचार्य राकेश शर्मा ने की। इस अवसर पर डी. फार्मेसी के विद्यार्थी तरुण गुप्ता ने नशे के प्रभावों के बारे में बताया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य राकेश शर्मा सहित प्रवक्ता मनोज शुक्ला, छात्रावास अधीक्षक देविंद्र सिंह प्रेमी, राज कुमार सहित लगभग 80 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

21 यूनिट रक्त एकत्रित किया

शिमला, 27 जून (ब्यूरो): राजधानी के उपनगर चक्कर स्थित ज्यूडीशियल कोर्ट काम्पलैक्स में सोमवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 21 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में ज्यूडीशियल कोर्ट के कर्मचारियों के अलावा अधिवक्ताओं व आई.टी.आई. शिमला के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

राजकीय बहुतकनीकी रोहड़ू में मनाया अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस

स्वतंत्र हिमाचल
(रामपुर) अमन भारती

राजकीय बहुतकनीकी रोहड़ू में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया गया।नशीली चीज़ों और पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना, उन्हें नशे के दुष्प्रभाव से बचाना है। इस कार्यक्रम में प्रवक्ता के रूप में श्री अमनदीप नेगी,अधिवक्ता सिविल कोर्ट रोहड़ू उपस्थित रहे,उन्होंने नशीली वस्तुओं के दुरुपयोग और इनकी अवैध तस्करी के बारे में विस्तार से जानकारी दी और एनडीपीएस एक्ट के बारे में विद्यार्थियों को अहम जानकारी प्रदान की , कि किस तरह हम आज के परिवेश में अपने को नशे से बचा सकते है कि अन्तरराष्ट्रीय ड्रग विरोधी दिवस दुनिया भर में नशे की लत को छुड़ाने के लिए मनाया जाता है।

इसका उद्देश्य देश से नशे को खत्म करना है। इस दिन लोगों कोनशा छोड़ने के लिए जागरुक किया जाता है। इसके लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते है।कार्यक्रम के समन्वयक श्री मनोज शुक्ला ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और इस से किस तरह बचाव किया जा सकता है कैसे नशे से दूर रहना है और मादक पदार्थों के सेवन के नुकसान के बारे में विद्यार्थियों को बताया ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्रधानाचार्य श्री राकेश शर्मा ने की उन्होंने भी अपने संबोधन में मादक द्रव्य पदार्थों के व्यसन के दुष्प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी।और अंत में इस कार्यक्रम में समय देने के लिए मुख्य प्रवक्ता अमनदीप नेगी का धन्यवाद किया । डी फार्मेसी के विद्यार्थी तरुण गुप्ता ने भी नशे के प्रभावों के बारे में बताया।इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य के अतिरिक्त मनोज शुक्ला प्रवक्ता, छात्रावास अधीक्षक श्री देविंद्र सिंह प्रेमी,राजकुमार और लगभग 80 विद्यार्थी उपस्थित रहे।